अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : नवमीं – जैन सिद्धान्त प्रभाकर पूर्वार्द्ध (परीक्षा 21 जुलाई, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) चतुरंगीय उत्तराध्ययन सूत्र का कौनसा अध्ययन है-

(क) दूसरा (ख) तीसरा

(ग) चौथा (घ) पाँचवाँ ( )

(b) धर्म श्रवण की दुर्लभता किस गाथा में बताई गई है-

(क) छठी (ख) सातवीं

(ग) आठवीं (घ) नवमी ( )

(c) जिनशासन में स्थविर निह्नव द्वारा कौनसा सिद्धान्त/नियम प्रवर्त्तित हुआ-

(क) अकृतवाद (ख) अव्यक्तवाद

(ग) द्वैक्रियवाद (घ) त्रैराशिकवाद ( )

(d) ''समाययंती'' का अर्थ है-

(क) कामना (ख) पापकर्म

(ग) छेदना (घ) असंयमी ( )

(e) ''धन त्राणदायक है'' इस मिथ्या मान्यता का खण्डन किस गाथा में किया गया है-

(क) दूसरी (ख) तीसरी

(ग) चौथी (घ) पाँचवीं ( )

(f) तत्त्वार्थ सूत्र में कुल कितने सूत्र हैं-

(क) 320 (ख) 322

(ग) 344 (घ) 350 ( )

(g) 'मतिज्ञान' का एकार्थक शब्द नहीं है-

(क) इन्द्रिय (ख) स्मृति

(ग) संज्ञा (घ) अभिनिबोध ( )

(h) 'मतिज्ञान' के कुल कितने भेद हैं-

(क) 28 (ख) 340

(ग) 336 (घ) 24 ( )

(i) बाईस परीषह कितने कर्मों के उदय से होते हैं-

(क) आठ (ख) सात

(ग) चार (घ) पाँच ( )

(j) आत्म-गुणों को पुष्ट करने के कारण यह व्रत..... कहलाता है-

(क) सामायिक व्रत (ख) उपवास व्रत

(ग) दयाव्रत (घ) पौषध व्रत ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) विकल्प रहित होकर एकमात्र मुक्ति की आराधना करने वालों की ही शुद्धि होती है। ( )

(b) जीवन संस्कृत है, इसलिए आयुष्य के कण क्षण-क्षण समाप्त होते जा रहे हैं। ( )

(c) पापकर्म से उपार्जित धन त्राणदायक होता है। ( )

(d) कवचधारी घोड़ा स्वच्छन्द रहकर युद्ध में विजय प्राप्त करता है। ( )

(e) तत्त्वार्थ सूत्र के सभी सूत्र संस्कृत भाषा में नहीं है। ( )

(f) उत्तराध्ययन सूत्र के 28वें अध्ययन में मोक्ष के तीन साधन बताये हैं। ( )

(g) सभी पापों का तीन करण, तीन योग से त्याग करना सम्यक्चारित्र कहलाता है। ( )

(h) सातों प्रकृतियों का हमेशा के लिए पूर्ण क्षय हो, ऐसा आत्मिक श्रद्धान क्षायिक सम्यग्दर्शन है। ( )

(i) 27 प्रकृतियों का उपशम करने से जीव को ग्यारहवाँ गुणस्थान प्राप्त होता है। ( )

(j) 8 से 11वें गुणस्थान की जघन्य स्थिति एक समय की है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1=(10)**

(a)	सराग संयम	(क) उपदेश	.....
(b)	श्रेणिक	(ख) महाप्राज्ञ	.....
(c)	दस अंग	(ग) पाँच	.....
(d)	भारण्डपक्षी	(घ) चारित्र मोहनीय	.....
(e)	अधिगम	(च) सूक्ष्म सम्पराय	.....
(f)	नय	(छ) अप्रमत्त	.....
(g)	संज्वलन लोभ	(ज) आत्मा	.....
(h)	बंध	(झ) देव गति	.....
(i)	आठ	(य) शुक्ल लेश्या	.....
(j)	13वाँ गुणस्थान	(र) अंश	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) औदारिक शरीर पा लेने पर भी मेरा श्रवण करना दुर्लभ है। .....

(b) मेरे द्वारा द्वैक्रियवाद मत प्रवर्त्तित हुआ। .....

(c) मेरे सर्वथा उच्छेद हो जाने से सिद्ध सदाकाल स्थायी होते हैं। .....

(d) मुझे सैकड़ों इन्द्र, देव, भगवान भी न तो जोड़ सकते हैं और न ही बढ़ा सकते हैं। .....

(e) मेरे कारण जीव ने इस जीवन में अनेक दुःख पाये तथा अगले जन्म में भी भयंकर कष्ट भोगने पड़ेंगे। .....

(f) मैं साधना के लिए विध्नकारक नहीं हूँ। .....

(g) मेरे कारण से जीवादि तत्त्वों को अपनी मनोकल्पना से जैसा चाहे वैसा मान लिया जाता है। .....

(h) मुझ में सात बोलों का बंध नहीं होता। .....

(i) मैं अनुभूति में आने वाला उदय हूँ। .....

(j) मैं वह द्वार हूँ, जिसमें पहले से दसवें तक आठों कर्मों का उदय होता है। .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए: - **12x2 = (24)**

(a) श्रद्धा की परमदुर्लभता का कोई एक कारण संक्षेप में लिखिए।

.....

.....

.....

(b) बोधि का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(c) प्रमाद का अर्थ क्या है ?

.....

.....

.....

(d) भाव निद्रा के अन्तर्गत क्या-क्या आते हैं ?

.....

.....

.....

(e) काल को घोर कहा गया है। क्यों ?

.....

.....

.....

(f) 'छंदं निरोहण उवइ मोक्खं'' का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(g) **जं सोच्चा पडिवज्जंति, तवं खंतिमहिंसयं का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) **शब्द नय के तीन भेद कौन-कौन से हैं ?**

.....

.....

.....

(i) **लक्षण किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

(j) **10वें एवं 12वें गुणस्थान में कितने कर्मों की निर्जरा होती है ?**

.....

.....

.....

(k) **भगवान महावीर ने वस्तु के अनन्त धर्मात्मकता का क्या कारण बताया है ?**

.....

.....

.....

(l) **'अनेकान्त' का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **12x3 = (36)**

(a) **निम्न गाथा का अर्थ लिखिए-**

सोही उज्जुयभूयस्स, धम्मो सुद्धस्स चिट्ठई।

निव्वाणं परमं जाइ, घय सित्तव्व पावए।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **निम्न गाथा का भावार्थ लिखिए-**

खिप्पं न सक्केइ विवेगमेउं, तम्हा समुट्ठाय पहाय कामे।

समिच्च लोयं समया महेसी, अप्पाणुरक्खी चरेऽप्पमत्तो।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **निम्न शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखिए-**

1. सव्वट्ठेसु ..... **2. नेआउयं** .....

3. रोयमाणा ..... **4. जरोवणीयस्स** .....

5. दीवप्पणट्ठेव ..... **6. अप्पाणुरक्खी** .....

(d) **नैगम नय किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(e) निम्न सूत्रों का अर्थ लिखिए-

1. विग्रह गतौ कर्मयोगः

.....

.....

2. अनुश्रेणि गतिः

.....

.....

3. अविग्रहा जीवस्य

.....

.....

(f) विसंयोजना का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) गुणस्थान में उपयोग द्वार लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) स्याद्वाद का स्वरूप संक्षेप में समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(i) भगवान महावीर ने सूत्रकृतांग सूत्र में 'अनेकान्त' के बारे में क्या कहा ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(j) पच्चक्खाण का अर्थ लिखिए। पच्चक्खाण क्यों किया जाता है? कोई एक कारण लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(k) निम्न के अर्थ लिखिए-

1. पच्छन्नकालेणं .....
2. साहुवयणेणं .....
3. लेवालेवेणं .....
4. श्रद्धान विशुद्धि .....

.....

(l) पौषध किसे कहते हैं ? पौषध कितने प्रकार के हैं ? उनके नाम लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....